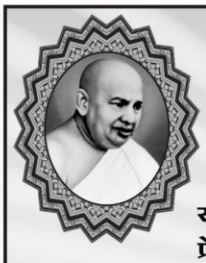

श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति
गुरुवरों के विचारों/कार्यों को समर्पित

यतीन्द्र वाणी

हिन्दी पाक्षिक

संस्थापक- प. पू. तपस्वी योगिराज, संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा.
प्रेरक- भाण्डवपुर तीर्थप्रेरक, प्रवचनकार प. पू. आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.

सम्पादक- पंकज बी. बालड़ सह सम्पादक- कुलदीप डाँगी 'प्रियदर्शी'

* वर्ष : 23 * अंक : 19 * मोटेरा, अहमदाबाद * दिनांक 1 जनवरी 2018 * पृष्ठ : 4 * मूल्य 5/- रुपये

गच्छाधिपति की निश्रा में गुरु सप्तमी महामहोत्सव

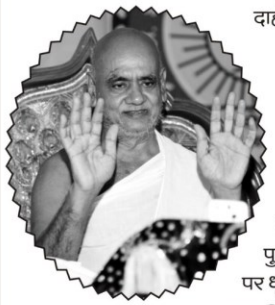

दाहोद,

दाहोद नगर में पुण्य-सम्राट, राष्ट्रसन्त गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर गच्छाधिपति आचार्यदेव श्रीमद्विजय नित्यसेन-सूरीश्वरजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द की निश्रा में दादा गुरुदेव श्रीमद्विजय राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. की 191वीं जन्म एवं 111वीं स्वर्गारोहण तिथि गुरु सप्तमी पर्व एवं पुण्योत्सव का आयोजन श्री सीमन्धरस्वामी तीर्थ धाम पर धूमधाम से मनाया गया।

पू. गच्छाधिपतिश्री आदि ठाणा का दिनांक 24 दिसम्बर 17 को प्रातः दाहोद में बैण्ड, ढोल, घोड़ों के साथ ऐतिहासिक वरघोड़ा निकालकर गच्छाधिपतिश्री की अगवानी की। जिसमें प्रत्येक घर द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं ने गहुँली करके बधाया।

दिनांक 25 दिसम्बर 17 को गुरु सप्तमी महोत्सव पर्व भव्य रूप से मनाया गया, जिसमें वर्तमान गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. आदि ठाणा ने गुरु गुणानुवाद सभा में प्रवचन के माध्यम से गुरुदेव के गुणों का वर्णन करते हुए गुरु महिमा बताई साथ ही अपने जीवन में गुरु का क्या महत्त्व है बताया। इस अवसर पर लीमड़ी, अहमदाबाद, झाबुआ, राणापुर, पारा, बामनिया, मेघनगर, झकनावदा, पाटण, राजगढ़, इन्दौर, धार, टाण्डा, कुक्षी, सूरत सहित अनेक नगरों के श्रीसंघ पधारे और पू. गच्छाधिपतिश्री के दर्शन-वन्दन कर गुरु सप्तमी महोत्सव मनाया।

गुणानुवाद करते जापानी गुरुभक्त

इस अवसर पर विदेशी जापानी गुरुभक्त का दल कु. तुलसीजी के नेतृत्व में आया एवं गुरु सप्तमी पर्व मनाया। दाहोद संघ के 21 सदस्यों ने नई टीम बनाकर इस वर्ष से प्रतिवर्ष गुरु सप्तमी महोत्सव बड़े ही धूमधाम से आजीवन मनाने का संकल्प लिया। त्रिस्तुतिक जैन संघ, दाहोद एवं समस्त श्रीसंघ, दाहोद के द्वारा आयोजित गुरु सप्तमी महोत्सव में पू. गच्छाधिपतिश्री की निश्रा में कई जनकल्याणकारी कार्यक्रम निष्पादित हुए। स्मरण रहे कि दाहोद नगर मुनिराजश्री निपुणरत्नविजयजी म. सा. की जन्मभूमि है।

गुरुभक्तों द्वारा रक्तदान

गुरु सप्तमी महोत्सव पर्व पर दाहोद में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें बाहर से पधारे श्रीसंघों के श्रावक-श्राविकाओं द्वारा रक्तदान कर गुरुभक्ति का परिचय दिया गया। दाहोद श्रीसंघ द्वारा रक्तदाताओं को प्रभावना वितरीत की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि योजना आयोग के अध्यक्ष श्री सुनीलजी सिंघी, अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रमेशभाई धरूँ-मुम्बई, परिषद् के राष्ट्रीय महामन्त्री श्री अशोकजी श्रीश्रीमाल-इन्दौर, परिषद् के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी श्री बृजेशजी बोहरा नागदा थे।

गुरु सप्तमी महोत्सव में पुस्तक लोकार्पण

गुरुसप्तमी के पावन महोत्सव पर्व के अवसर पर मुनिराजश्री डॉ. सिद्धरत्नविजयजी म. सा. द्वारा रचित पुस्तक 'नरक-द्वार' एवं पू. गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. द्वारा रचित पुस्तक का लोकार्पण श्री सुनीलजी सिंघी, श्री रमेशभाई धरूँ-मुम्बई, श्री अशोकजी श्रीश्रीमाल-इन्दौर, श्री बृजेशजी बोहरा नागदा एवं गणमान्य समाजजनों द्वारा किया गया। गुरु गुणानुवाद सभा के अन्त में भव्य गुरु आरती लाभार्थी परिवार की ओर से की गई।

पुस्तक लोकार्पण करते गुरुभक्त

गुरु सप्तमी पर्व एवं आचार्यप्रवरश्री का 44वां संयम पर्याय महामहोत्सव

उदयपुर,

पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्री जयन्तसेन-सूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर प. पू. सूरिमन्त्र आराधक, भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक, शासन-प्रभावक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. आदि ठाणा के सान्निध्य में अभिधान राजेन्द्र कोष के प्रणेता, योगीन्द्रचार्य, विश्वपूज्य, दादा गुरुदेव श्रीमद्विजय राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. की 191वीं जन्म एवं 111वीं स्वर्गारोहण तिथि गुरु सप्तमी पर्व एवं प्रखर समाज शिल्पी आचार्यप्रवरश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के 44वें संयम पर्याय दिवस विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के साथ दादा गुरुदेव की दीक्षा स्थली श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार, काया-उदयपुर में महोत्सवपूर्वक मनाया गया।

दिनांक 24 दिसम्बर 17 को आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के संयम जीवन के 44वें वर्ष में प्रवेश पर गुरु गुणानुवाद सभा का आयोजन किया गया। प. पू. आचार्यप्रवरश्री ने सम्बोधित करते हुए कहा कि मैं आज जिस स्थान पर पहुँचा हूँ वह सब पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री एवं कृपासिन्धु योगीराजजी की सुकृपा का ही सुफल है। गुणानुवाद सभा में जालोर के जिलाधीश श्री कमलजी नाहर, डूँगरपुर जिला न्यायाधीश श्री प्रकाशचन्द्रजी पगारिया, भू.पू. ग्रामीण विधायक श्रीमती सज्जन कटारा, सरस डेयरी चेयरमेन डॉ. गीता पटेल, पर्यावरण प्रेमी श्री प्रतापसिंहजी राव, श्री महेन्द्र शाह, काया मन्दिर के ट्रस्टी श्री दिनेशजी यति आदि सभी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए शासन प्रभावक आचार्यप्रवरश्री द्वारा 43 वर्ष में शासन प्रभावना के अनेक सम्पादित कार्यों का स्मरण कराते हुए संयम पर्याय दिवस के 44वें वर्ष में प्रवेश करने पर दीर्घायु की मंगलकामना करते हुए शुभकामनाएँ अर्पित की।

श्री शान्ति गुरु चालीसा का लोकार्पण करते अतिथि

इस अवसर पर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवश्री के शुभाशीर्वाद एवं मुनिराज श्री अशोकविजयजी म. सा. की प्रेरणा से कृपासिन्धु गुरुदेव, संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा. के जीवनवृत्त पर आधारित राष्ट्रीय कवि कुलदीप डाँगी 'प्रियदर्शी' द्वारा रचित 'श्री शान्ति गुरु चालीसा' का लोकार्पण सम्मानित अतिथियों द्वारा किया गया। प्रियदर्शी ने सस्वर चालीसा सुनाते हुए आचार्यप्रवरश्री के संयम पर्याय दिवस पर काव्य-सुमन अर्पित करते हुए- 'दीक्षा का चँवालीसवाँ, पुण्य दिवस आज आया है। राणाजी अँगने में राणा ने, तीरथ भव्य सजाया है... गीत सुनाकर सभी को मन्त्रमुग्ध कर दिया।

चिकित्सा शिविर में जाँच करते चिकित्सक

गुरु सप्तमी के पावन दिवस पर प. पू. आचार्यदेव श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. एवं मुनिराजश्री अशोकविजयजी म.सा. की निश्रा में गुरु सप्तमी पर्व पर काया जैन तीर्थ पर भव्य आयोजन हुए।

श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार काया तीर्थ परिसर में निःशुल्क मेडिकल जाँच शिविर का प्रारम्भ उदयपुर ग्रामीण विधायक श्री फूलचन्दजी मीणा एवं उदयपुर गिर्वा प्रधान श्री तखतसिंहजी शक्तावत एवं भाजपा के जिलाध्यक्ष श्री दिनेशजी भट्ट की उपस्थिति में किया गया।

(शेष पृष्ठ 4 पर)

तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश ने विहार में दिया धर्मसन्देश

उदयपुर,

पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर सूरिमन्त्राराधक, भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक, स्पष्टवक्ता, आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. आदि ठाणा ने जालोर जिले के विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों में निश्रा प्रदान कर दादा गुरुदेव की दीक्षास्थली उदयपुर नगर के काया में श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार में गुरुसप्तमी पर्व पर पावन निश्रा प्रदान करने हेतु विहार प्रारम्भ किया।

पूज्य आचार्यदेवेशश्री विहारानुक्रम में डोरडा, जीरावला, श्री भैरुतारक, पावापुरी धाम होते हुए दिनांक 18-12-2017 को श्री शंखेश्वर पार्श्व-राज राजेन्द्र धाम (भीरपुर फाटा) सिरोही-पावापुरी हाईवे पर पहुँचे, यहाँ पर चल रहे तीर्थ निर्माण का अवलोकन करते हुए अपना आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्रदान किया।

दिनांक 19-12-2017 को श्री तीर्थेन्द्रसूरि स्मारक, बामनवाड़जी तीर्थ में पधारे। आचार्यदेवेशश्री के आगमन पर श्री तीर्थेन्द्रसूरि स्मारक संघ ट्रस्ट द्वारा गहुँली कर बधाया गया। आचार्यश्री ने तीर्थ विकास के कार्यों की सराहना करते हुए ट्रस्ट मण्डल को अपना आशीर्वाद प्रदान किया।

आचार्यदेवेशश्री का देवला में वनवासी कल्याण परिसर में भव्य प्रवेश

दिनांक 20-12-2017 को वनवासी कल्याण परिसर देवला में आचार्य भगवन्त श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. एवं मुनिराजश्री अशोकविजयजी म. सा. का पावन पदार्पण हुआ। स्मरण रहे इस परिसर में पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. की प्रेरणा से श्री सौधर्मबृहत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक जैन संघ के गुरुभक्तों ने श्री राज राजेन्द्र-जयन्तसेन वनवासी कल्याण आश्रम का निर्माण किया गया है, जहाँ वनवासी परिवार के बालकों के लिए अभ्यास और रहने के हॉल एवं कक्षों का निर्माण किया गया है।

आज भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेशश्री के पदार्पण पर आश्रम के बालकों ने सामैया कर स्वागत किया और आचार्यश्री के दर्शन-वन्दन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पुण्य-सम्राट गुरुदेव के पट्टधर के पावन पदार्पण पर आश्रम में मिठाई का वितरण किया गया। पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री राजस्थान के विहार में आश्रम में आशीर्वाद देने अनेक बार पूर्व में पधारे हैं तथा गुरुदेव के प्रवचनों से प्रभावित होकर बालकों ने व्यसन मुक्त जीवन जीने के नियम भी लिये थे। इस मार्ग पर विहार करने वाले श्रमण-श्रमणिवृन्द की विश्राम व्यवस्था भी वनवासी लोग आश्रम में करते हैं।

दिनांक 21-12-2017 को आचार्यप्रवरश्री ईसवाल तीर्थ पर पधारे। यहाँ से विहार कर सायं श्री संघवी फार्म हाऊस पधारे। रात्रि विश्राम के पश्चात् दिनांक 22-12-2017 को प्रातः चौगान मन्दिर पधारे वहाँ श्री पद्मनाभ प्रभु के दर्शन कर हाथीपोल जैन धर्मशाला पधारे, यहाँ जिन मन्दिर के दर्शन-वन्दन कर आयड़ तीर्थ पर पधारे। यहाँ जिन मन्दिरों के दर्शन-वन्दन कर आचार्यप्रवरश्री धूलकोट स्थित गुरु मन्दिर पधारे। यहाँ पर नगर के कई गणमान्य व्यक्ति आचार्यश्री के दर्शन-वन्दन करने पधारे। दोपहर 3 बजे यहाँ से विहार कर आचार्यप्रवरश्री सेक्टर-11 स्थित गणेश विहार पधारे, जहाँ रात्रि विश्राम किया।

पू. आचार्यदेवेशश्री का भव्य मंगल प्रवेश दिनांक 23-12-2017 को प्रातः 9 बजे होटल चरण कमल के पास से श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार काया के लिए भव्य वरघोड़े के साथ प्रारम्भ हुआ और काया जैन मन्दिर पहुँचा। यहाँ पर केशरियानाथजी एवं दादागुरु के दर्शन-वन्दन के साथ ही तीर्थ परिसर में शोभायात्रा धर्मसभा में परिवर्तित हो गई।

धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए पू. तीर्थोद्धारक गुरुदेव ने कहा कि मनुष्य जन्म दुर्लभ है, इसको प्राप्त करने के लिए देवता भी तरसते हैं। आपको मनुष्य भव मिला और उसमें भी आपको जिनमत प्राप्त हुआ यह पुण्यानुपुण्य से प्राप्त हुआ है और इसे यूँही गँवाना नहीं है। आपको मोक्ष की प्राप्ति इसी भव से सम्भव है और इसके लिए आपको निजमत से निकलकर जिनमत को स्वीकारना होगा। आचार्यप्रवरश्री ने बताया कि किस प्रकार हमारे तीर्थंकरों ने, आचार्यों ने संयम के मार्ग पर कदम बढ़ाते हुए जिनमत को अपने जीवन में उतार कर परमपद को प्राप्त किया है।

श्री भाण्डवपुर तीर्थ में गुरु सप्तमी पर तप-त्याग व भक्ति का अनूठा संगम

श्री भाण्डवपुर तीर्थ,

सायला उपखण्ड क्षेत्र के भाण्डवपुर जैन महातीर्थ की पावन धर्मधरा पर श्री विश्वपूज्य दादा गुरुदेव श्रीमद्विजय राजेन्द्रसूरीश्वरजी म.सा. की 191 वीं जन्म एवं 111 वीं पुण्य तिथि पौष शुक्ला सातम 'गुरु सप्तमी' हर्षोल्लास के साथ मनाई गई।

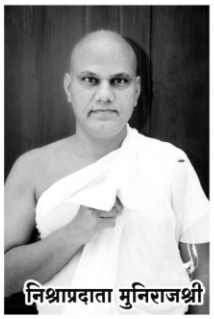

निश्राप्रदाता मुनिराजश्री

दिवाकर की प्रथम किरण के साथ ही समीपवर्ती सभी नगरों से गुरुभक्तजन भाण्डवपुर पहुँचने लगे। प. पू. पुण्य-सम्राट राष्ट्रसन्त श्रीमद्विजय जयन्तसेन-सूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर सूरिमन्त्राराधक, भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म.सा. के सुशिष्यरत्न मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म.सा., मुनिराजश्री अमृतरत्न-विजयजी म.सा., मुनिराजश्री जिनरत्नविजयजी म. सा. एवं विदुषी साध्वीजी श्री सूर्यकिरणाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा-6 तथा साध्वीश्री काव्यरत्नाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा-4 की शुभनिश्रा में श्री महावीर जैन श्वेताम्बर पेढ़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में मेंगलवा निवासी श्रेष्ठिवर्य श्री शान्तिलालजी हरकचन्दजी संकलेचा परिवार द्वारा त्रिदिवसीय महोत्सवपूर्वक गुरुसप्तमी पर्व मनाया गया।

गुरु सप्तमी पर्व पर त्रिदिवसीय साधना-आराधना के अन्तर्गत सामूहिक अट्ठम तप में 21 तथा आयम्बिल तप में 30 गुरुभक्तों ने गुरुदेव के जाप किए। मुनिराजश्री अमृतरत्नविजयजी म. सा. एवं साध्वीश्री विरतिरत्नाश्रीजी म. सा. ने भी अट्ठम तप कर गुरुदेव के चरणों में अपनी तपांजलि अर्पित की।

गुरु सप्तमी के पावन दिन लगभग 100 आयम्बिल की तपश्चर्या गुरुभक्तों द्वारा की गई। गुरु गुणानुवाद सभा का शुभारम्भ आयोजक परिवार के श्री अशोकभाई-दिनेशभाई के हाथों गुरुदेवश्री फोटो पर पुष्प माल्यार्पण से हुआ। निश्रा प्रदाता मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. ने गुरुदेव की जीवनी पर प्रकाश

शोभायात्रा में मुनिमण्डल एवं लाभार्थी परिवार के संग गुरुभक्त

डाला तथा सामाजिक प्रसंगों में चल रहे जमींकन्दों के उपयोग को छोड़ने हेतु संकल्प लेने का आह्वान किया। नमस्कार महामन्त्र स्मरणपूर्वक सभी ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

ट्रस्ट द्वारा लाभार्थी परिवार का बहुमान

गुणानुवाद सभा के अन्त में ट्रस्ट की ओर से लाभार्थी परिवार का बहुमान किया गया। गुरुदेव की सायं आरती का लाभ श्रीमती मोवनदेवी शान्तिलालजी संकलेचा-मेंगलवा निवासी लाभार्थी परिवार ने लिया।

तीनों ही दिन तीर्थ भूमि पर आयोजित प्रभु-पूजा, प्रतिक्रमण, अंगरचना, प्रवचन, दोपहर में पूजा तथा सायं भक्ति आदि आयोजनों में गुरुभक्तों की विशाल संख्या में उपस्थिति रही।

पुण्य-सम्राट के समाधि मन्दिर के दर्शनार्थ विदेशी गुरुभक्त पधारे

भाण्डवपुर तीर्थ,

श्री सौधर्मबृहत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक संघ के जैनाचार्य पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के देवलोकगमन पश्चात् गुरुदेवश्री के गुरुभक्त दिन-प्रतिदिन पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के समाधि-स्थल भाण्डवपुर तीर्थ में दर्शनार्थ पधार रहे हैं। इसी क्रम में भाण्डवपुर तीर्थ में पुण्य-सम्राट के समाधि-स्थल पर विदेश से गुरुभक्त आये। गुरुभक्तों ने तीर्थाधिपतिश्री महावीरस्वामीजी एवं गुरु मन्दिरों में विराजमान गुरुदेव के दर्शन कर पुण्य-सम्राट के समाधि-स्थल पर जाकर गुरुदेवश्री के दर्शन-वन्दन कर स्तुति की।

पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री की प्रतिमा को देखते ही उनका स्मरण होने से विदेशी गुरुभक्तों के नयन सजल हो गये। गुरुभक्तों ने दर्शन करने के पश्चात् तीर्थ पर विराजमान मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. आदि ठाणा के दर्शन-वन्दन कर माँगलिक श्रवण किया एवं साध्वीश्री सूर्यकिरणाश्रीजी म. सा. आदि साध्वी भगवन्त के दर्शन कर पुनः पुण्य-सम्राट के समाधि-स्थल पर बैठकर जाप और पुण्य-सम्राट की आरती की। विदेश के गुरुभक्तों को थराद निवासी श्री शैलेषभाई एवं उनकी धर्मपत्नी ने साथ रहकर धार्मिक विधि-विधान में मार्गदर्शन प्रदान किया। इस प्रसंग पर कान्तिलालजी डामराणी सहित अनेक गुरुभक्त उपस्थित थे।

भाण्डवपुर तीर्थ पर पुण्य-सम्राट के समाधि-स्थल पर परम गुरुभक्त, पर्यावरणप्रेमी श्री किशोरजी खिमावत के सुपुत्र दुबई में व्यवसायरत श्री राहूलजी खिमावत ने पधारकर पुण्य-सम्राट के दर्शन-वन्दन कर श्रद्धांजलि अर्पित की एवं तीर्थ पर विराजमान श्रमण-श्रमणिवृन्द के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

छःरि पालित संघ की संघमाला संपन्न

इन्दौर (म. प्र.),

जानकीनगर से मातमोर शिवपुर का छःरि पालित संघ का आयोजन श्रीमती राजुलबेन माणकलालजी सांखला परिवार (टौंक खुर्द वाले) इन्दौर द्वारा किया गया। आयोजक परिवार की विनंती स्वीकार कर निश्रा प्रदान करने के लिए इन्दौर में विराजमान पूज्य गणीवर्यश्री वीररत्नविजयजी म. सा. एवं पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के द्वय पट्टधर गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. की आज्ञानुवर्तिनी साध्वीश्री प्रीति-दर्शनाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा की पावन निश्रा में संघयात्रा का आयोजन किया गया था।

तीर्थ परिसर में विशाल संख्या में पधारे श्रीसंघ, परिजन तथा गुरुभक्तों के मध्य संघमाला सम्पन्न हुई। इस अवसर पर मातमोर तीर्थ में नवयुवक परिषद् के राष्ट्रीय महामन्त्री श्री अशोकजी श्रीश्रीमाल एवं महिला परिषद् की राष्ट्रीय महामन्त्री श्रीमती पद्माजी सेठ ने पहुँच कर संघपति श्री सांखला परिवार का शाल, श्रीफल व माला से बहुमान किया।

बालमुनि अर्पणविजयजी की बड़ी दीक्षा

अहमदाबाद,

थाने निवासी श्री आदि दिलीपजी संघवी की कलिकुण्ड तीर्थ में 4 दिसम्बर को दीक्षा सम्पन्न होने के पश्चात् उनका नाम करण मुनिश्री अर्पणविजयजी किया गया। बालमुनिश्री अर्पणविजयजी म. सा. की बड़ी दीक्षा पू. आचार्यश्री जयानन्दसूरीश्वरजी म. सा. के वरद् हस्तों से दिनांक 20 जनवरी 2018 को अहमदाबाद में सम्पन्न होगी।

इस अवसर पर पू. आचार्यश्री के वरद्हस्तों से मुनिराजश्री विक्रमविजयजी, विकासविजयजी, साध्वीश्री मुक्तिअरिहाश्रीजी, साध्वीश्री मुक्तिरम्याश्रीजी म. सा. की बड़ी दीक्षा भी सम्पन्न होगी।

भाण्डवपुर विद्यालय में साईकिल वितरण समारोह सम्पन्न

भाण्डवपुर तीर्थ,

भाण्डवपुर तीर्थ (भूण्डवा) में स्थित आदर्श राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यलय, भूण्डवा में कक्षा 9वीं की छात्राओं को सरकार द्वारा निःशुल्क साईकिल वितरण दिनांक 23-12-2017 को प्रातः 11 बजे पुण्य-सम्राट के पट्टधर जैनाचार्य श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के सुशिष्यरत्न मुनिराजश्री आनन्दविजयजी आदि ठाणा की शुभ निश्रा में तथा स्थानीय सरपंच श्रीमती सुशीलादेवी एवं जिला परिषद् सदस्य श्रीमती पवनीदेवी की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

जिला प्रमुख दर्शनार्थ पधारी

भाण्डवपुर तीर्थ,

भाण्डवपुर तीर्थ में उपजिला प्रमुख श्रीमती गिरधरकँवर-दासपान् पधारी और तीर्थाधिपति एवं गुरु मन्दिरों में दर्शन करने के पश्चात् यहाँ विराजित जैनाचार्य श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के सुशिष्यरत्न मुनिराजश्री आनन्दविजयजी आदि ठाणा को वन्दन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मुनिराजश्री से चर्चा करते हुए उपजिला प्रमुख ने तीर्थ विकास की मुक्त कण्ठ से प्रशंसा की।

तीर्थ परिसर में उम्मेदाबाद (गोल) निवासी श्रीमती डाईदेवी जुगराजजी तलावत परिवार आयोजित श्री गिरनार तीर्थ से श्री शत्रुंजय तीर्थ छःरि पालित संघ की आमन्त्रण-पत्रिका देने हेतु तलावत परिजन पधारे। तलावत परिवार ने मुनिराजश्री आनन्दविजयजी आदि ठाणा को वन्दन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

चौराऊ में जीवित महोत्सव सम्पन्न

चौराऊ (राज.),

चौराऊ जिला-जालोर राजस्थान में श्रेष्ठिवर्यश्री सरदारमलजी मगनाजी एवं धर्मपत्नि सुखीदेवी गोवाणी (नागोत्रा सोलंकी) के द्वारा की हुई विविध तपश्चर्या एवं सुकृत अनुमोदनार्थ जिनेन्द्र भक्ति स्वरूप पाँच दिवसीय महोत्सव दिनांक 7-12-2017 से 11-12-2017 तक सानन्द सम्पन्न हुआ।

प्रथम दिन नगर में निश्रा प्रदान करने हेतु प. पू. पुण्य-सम्राट, राष्ट्रसन्त श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर, सूरिमन्त्राराधक, भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के सुशिष्यरत्न मुनिराजश्री अमृतरत्नविजयजी म. सा., गोवाणी कुलदीपक मुनिराजश्री जिनरत्नविजयजी म. सा. आदि ठाणा-2 एवं विदुषी साध्वीश्री सूर्यकिरणाश्रीजी म. सा. की सुशिष्याएँ साध्वीश्री सम्यक्प्रभाश्रीजी, साध्वीश्री शरदप्रभाश्रीजी, गोवाणी कुल गौरव साध्वीश्री त्रैलोक्यरत्नाश्रीजी आदि ठाणा-3 का भव्य सामैयापूर्वक नगर प्रवेश हुआ जो नगर के मुख्य मार्गों से होता हुआ जैन मन्दिर पहुँचा जहाँ दर्शन वन्दन कर धर्मसभा में परिवर्तित हो गया। जहाँ मुनिराश्री अमृतरत्नविजयजी म. सा. ने मांगलिक तथा मुनिराजश्री जिनरत्नविजयजी प्रवचन दिया।

दोपहर 2 बजे महोत्सव आयोजक शा. सरदारमलजी गोवाणी के घर से चतुर्विध संघ सहित स्वर्ण सीढ़ी समर्पण समारोह प्रारम्भ हुआ। स्वर्ण सीढ़ी चौराऊ मण्डन श्री धर्मनाथ प्रभु को समर्पित की गई तथा समस्त अतिथियों को प्रभावना वितरीत की गई। निश्रा प्रदाता मुनिद्वय ने आशीर्वाद स्वरूप मांगलिक प्रदान की इसके बाद श्री पार्श्वनाथ पंचकल्याणक पूजा पढ़ाई गई जिसमें संगीतकार देवेन्द्रभाई ने प्रभु भक्ति की धूम मचाई।

प्रतिदिन भक्तामर-पाठ, गुरु गुण इक्कीसा एवं प्रवचन हुआ तथा रात्रि में मनमोहक अंग रचना एवं भक्ति महोत्सव रखा गया। दिनांक 9 को अट्ठारह अभिषेक एवं मातृ-पितृ वन्दनावली में परम उपकारी धर्म-संस्कार प्रदाता ऐसे माता-पिता की वन्दनावली का मनमोहक आयोजन किया गया। अन्तिम पाँचवें दिन समीपवर्ती अनेक गाँवों से बन्धुजनों की विशेष उपस्थिति रही।

समाजसेवी गोवाणीजी का निधन

चौराऊ (राज.),

चौराऊ जिला-जालोर राजस्थान में श्रेष्ठिवर्यश्री सरदारमलजी मगनाजी का दिनांक 16-12-2017 को हृदयगति रुक जाने से निधन हो गया। परम गुरुभक्त श्री गोवाणी की पुण्य-सम्राट, राष्ट्रसन्त श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं संयमवयः स्थविर, योगीराज श्री शान्तिविजयजी म. सा. के प्रति अटूट श्रद्धा-भक्ति थी। आपश्री के कुलपुत्र किशोरकुमार (वर्तमान में मुनिश्री जिनरत्नविजयजी) को एवं कुल गौरव श्रीमती मन्जूदेवी (वर्तमान में साध्वीश्री त्रैलोक्यरत्नाश्रीजी) को जिनशासन को समर्पित किया।

आपश्री धार्मिक नित्य कृत्यों को करते हुए सामाजिक कार्यों में तत्परता के साथ भाग लेते थे। चौराऊ नगर एवं नेल्लूर नगर में आयोजित प्रतिष्ठा के महोत्सव में भोजन व्यवस्थाओं का संचालन पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण भाव से किया था। आपश्री ने अनेक संस्थाओं में विभिन्न पदों पर रहकर अपनी उत्कृष्ट सेवाएँ प्रदान की है जिनमें श्री श्रेयांसनाथ जैन संघ-नेल्लूर, श्री धर्मनाथ राजेन्द्र जैन श्वेताम्बर संघ-चौराऊ एवं नेल्लूर डिस्ट्रीक्ट पान ब्रोकर्स ऐसोसिएशन के अध्यक्ष रहे।

धर्मनिष्ठ, समाजसेवी, सरलस्वभावी, मृदुभाषी, उदारमना श्रेष्ठिवर्यश्री सरदारमलजी मगनाजी गोवाणी के निधन पर यतीन्द्र वाणी परिवार की ओर से हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित।

यतीन्द्र वाणी में प्रकाशनार्थ सामग्री निम्न नम्बर व ई-मेल पर भिजावें।
कुलदीप 'प्रियदर्शी' 09413763991
e-mail : priyadarshikuldeep@gmail.com

पृष्ठ 1 का शेष

गुरु सप्तमी पर्व..!

जाँच शिविर में माँगलिक प्रदान करते भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक

शिविर में कुशल चिकित्सकों जिसमें सर्वश्री डॉ. बी. एल. कुमार, डॉ. पुष्पलता कोठारी, डॉ. बलदेव मीणा, डॉ. गोवर्धनदास रामचन्दानी व गीतांजलि हॉस्पीटल के बाल विभाग के चिकित्सकों द्वारा 300 से अधिक बच्चों व महिला-पुरुषों की विभिन्न जाँच करते हुए उचित परामर्श प्रदान करते हुए निःशुल्क दवा वितरीत की गई।

कीर्तिभाई जैन द्वारा चप्पल वितरण

गुरु सप्तमी पर्व पर काया के सभी विद्यालयों के छात्रों को अल्पाहार एवं परम गुरुभक्त श्री कीर्तिभाई जैन परिवार (बालाजी गोल्डन ट्रांसपोर्ट, उदयपुर) की ओर से 200 बच्चों को चप्पल वितरीत की गई।

गुरु गुणानुवाद सभा में पू. आचार्यप्रवरश्री ने दादा गुरुदेव के जीवन से सम्बन्धित अनेक घटनाओं का वर्णन करते हुए कहा कि गुरुदेव साधना के सुमेरु थे तो ज्ञान के अलौकिक दिवाकर थे आज सम्पूर्ण विश्व उनके द्वारा प्रदत्त ज्ञान की रश्मियों से लाभान्वित हो रहा है। सभा में अतिथियों ने शब्दों के माध्यम से दादा गुरुदेव के गुणगान किए। इस प्रसंग पर तीर्थ पर आचार्यश्री रामचन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती पंन्यासप्रवरश्री पुण्यकीर्तिविजयजी म. सा., मुनिराजश्री मोक्षकीर्तिविजयजी, श्री नम्रकीर्तिविजयजी, श्री युगकीर्तिविजयजी, श्री प्रशान्त-रत्नविजयजी म. सा. पदार्पण हुआ। आपने गुरु की महिमा बताते हुए दादा गुरुदेव के चरणों में अपनी भावांजलि अर्पित की।

आचार्यप्रवरश्री को काम्बली वोहराते हुए

श्री सौधर्मबृहत्तपोगच्छीय राजेन्द्रसूरि स्मारक जैन संघ की ओर से प. पू. आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. एवं मुनिराजश्री अशोकविजयजी म. सा. को काम्बली वोहराई गई।

श्री सौधर्मबृहत्तपोगच्छीय राजेन्द्रसूरि स्मारक जैन संघ, उदयपुर के तत्वावधान में मेंगलवा निवासी श्रेष्ठिवर्य श्री शान्तिलालजी हरकचन्दजी संकलेचा परिवार द्वारा द्विदिवसीय गुरु सप्तमी आयोजन का लाभ लिया गया।

प्रभु श्री केशरियानाथजी की आरती एवं मंगल दीपक का चढ़ावा श्री मूलचन्दजी बालड़, मेंगलवा-दिल्ली ने तथा गुरु आरती का चढ़ावा लाभार्थी संकलेचा परिवार मेंगलवा ने लिया।

इस अवसर पर श्री माँगीलालजी रेगर, एस.डी.एम. सा., भदेसर, उदयपुर, निम्बाहेड़ा से दो बस एवं अनेक गाड़ियाँ, राणापुर, मुम्बई, जोधपुर, बागरा आदि से गुरुभक्त पधारे। अन्त में आभार श्री राजेन्द्रसूरि सेवा संस्थान के अध्यक्ष श्री जीवनसिंहजी मेहता ने ज्ञापित किया। सभा संचालन श्री अरुणजी बड़ाला ने किया।

तीर्थ परिसर में छात्रों को चप्पल वितरण

मुनिराजश्री को काम्बली वोहराते हुए

भाण्डवपुर में गुरु सप्तमी महोत्सव की झलकियाँ

भव्य शोभायात्रा एवं गुरु भक्ति में झूमते गुरुभक्त

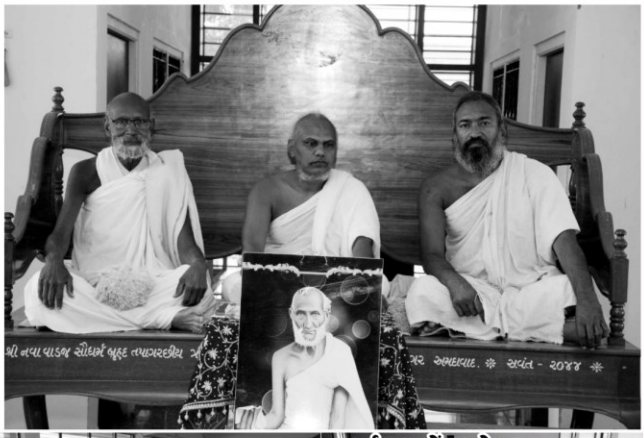

दादा गुरुदेव को माल्यार्पण

धर्म सभा में पधारे गुरुभक्त

आरती करते लाभार्थी परिवार

आरती करते लाभार्थी परिवार

गुरुपूजन में तल्लीन गुरुभक्त

दादा गुरुदेवश्री की 191वीं जन्म एवं 111वीं स्वर्गारोहण तिथि गुरुसप्तमी पर्व तथा भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेशश्री के 44वें संयम पर्याय दिवस पर 'यतीन्द्र वाणी' परिवार की ओर से गुरु चरणों में वन्दना...। -सम्पादक

प्रेषक :
यतीन्द्र वाणी (हिन्दी पाक्षिक)
C/o. श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)
दूरध्वनि : 079-23296124
09426285604
e-mail : yatindravani222@gmail.com
www.shrirajendrashantivihar.com

'Reg. Under Postal Registration No. AHD-C/22/2018-2020 VALID UPTO 31st December-2020 issued by the SSPO's Ahmedabad City Division, permitted to post at Ahmedabad PSO on 1st & 15th every month'
RNI No. GUJ/HIN/1999/321
Licensed to Post Without Prepayment No. PMG/HQ/070/2018-20 valid up to 31/12/2020

श्री.....
.....
.....

स्वत्वाधिकार प्रकाशक, मुद्रक- शान्तिदूत जैनोदय ट्रस्ट, सम्पादक- पंकज बी. बालड़, यतीन्द्र वाणी हिन्दी पाक्षिक, श्री राजेन्द्र शान्ति विहार, पो.- मोटेरा-382 424 से प्रकाशित एवं सनसाईन फोटो प्रिन्ट, एफ-4, तुषार सेन्टर, नवरंगपुरा, अहमदाबाद में मुद्रित